Shri Hem Barua: May I know if this particular Char to which the survey party came is in dispute, and if so, whether this vulnerable point in our frontier is being definitely protected?

Mr. Speaker: Is there any dispute regarding the ownership of this portion between the Governments of India and Pakistan?

Shri Jawaharlal Nehru: I do not think so. I am not quite certain.

चीनियों द्वारा अधिकृत भारतीय राज्य-क्षेत्र

*१९३६. **श्री खुशवक्त राय :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम तिब्बत के मिनसर गांव पर कुछ वर्ष पहले भारत का अधिकार था और भारतीय अधिकारी वहां से मालगुजारी वसूल किया करते थे ; और

(ख) क्या इस संबंध में भारत सरकार के पास प्रमाण के लिये कोई दस्तावेज है ?

वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) और (ख). सीमा के प्रश्न पर सरकारी अधिकारियों की रिपोर्ट देखने से यह मालूम हो जायेगा कि इस धारणा को सिद्ध करने के लिये पक्के कागजाती सबूत पेश किये गये थे कि मिनसर गांव जम्मू और काश्मीर सरकार के ताल्लुक में था और वह सरकार समय समय पर वहां से मालगुजारी वसूल करती थी ।

(a) and (b). A reference to the official's Report on the Boundary Question would show that conclusive documentary evidence was produced to establish that the village of Minsar was considered to belong to the Jammu and Kashmir Government and collections of revenue were made by them periodically.

श्री खुशवक्त राय : क्या मैं जान सकता हूं कि प्रधान मंत्री का ध्यान सोशलिस्ट पार्टी के नेता डा० राम मनोहर लोहिया के उस ब्यान की तरफ गया है जिसमें उन्होंने कहा है कि उनके पास कुछ प्रमाण मौजूद हैं कि यह ग्राम हिन्दुस्तान के अधिकार में था ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : डा० लोहिया ने तो हमारे पास इसका कोई सबूत भेजा नहीं है । लेकिन जहां तक इस ग्राम का संबंध है उसके बारे में तो आपने अभी जवाब सुना और जो किताब छपी है उसमें भी इसके बारे में लिखा है । इसमें हमारी राय में कोई सन्देह नहीं है कि इस ग्राम का कुछ पुराना ताल्लुक जम्मू और काश्मीर गवर्नमेंट से था और वह जारी रहा कुछ बरस पहले तक । क्या ताल्लुक था वह कहना जरा मुश्किल है लेकिन बहरसूरत इतना था कि हर दूसरी साल जिम्मू काश्मीर सरकार के कुछ आदमी वहां जाकर वहां से सौ पचास रुपये बतौर मालगुजारी जमा कर लाते थे । यह कहना मुश्किल है कि उस ताल्लुक की कानूनी शक्ल क्या थी । यह गांव तिब्बत के बीच में है । जाहिर है कि वहां कोई रोजमर्रा की कार्यवाई तो होती नहीं थी, सिर्फ वहां से मालगुजारी वसूल की जाती थी ।

श्री खुशवक्त राय : क्या मैं जान सकता हूं कि डा० राम मनोहर लोहिया से इस बात की जांच पड़ताल की गयी कि उनके पास क्या प्रमाण मौजूद है ?

श्री त्यागी : उनके पास होता तो वे गवर्नमेंट को भेज देते ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : गालिबन नहीं की गयी होगी, मुझे ठीक नहीं मालूम ।

डा० राम सुभग सिंह : स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद जम्मू काश्मीर सरकार की ओर से वहां कोई गया या नहीं ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं इस बारे में कुछ यकायक नहीं कह सकता कि हमारी स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद जम्मू काश्मीर सरकार की तरफ से वहां कोई गया या नहीं । लेकिन सन् १९५० के बाद से कोई नहीं गया । शायद सन्

१९४८-४९ में कोई गया था। सन् १९५० के पहले क आध बार कोई शायद गया हो। आम तौर पर पहले हर दूसरे बरस कुछ लोग जम्मू काश्मीर से जाम्ता पूरा करने जाते थे और २५० पया जमा कर लाते थे। इससे ज्यादा तो उनके आने जाने में खर्च हो जाता होगा। लेकिन वह एक जाम्ता पूरा करते थे लेकिन सन् १९५० के बाद से कोई नहीं गया।

Shri Ranga: Under whose occupation is it now—under the occupation of the Jammu and Kashmir Government or of the Chinese?

Shri Jawaharlal Nehru: It is under the occupation of the Chinese authorities.

Shri Ranga: Was this question also considered during the talks....

Mr. Speaker: Shri Balraj Madhok.

Shri Balraj Madhok: According to the 1842 treaty between Ladakh and Tibet, the revenue from this village was used by the Kashmir Government for providing lamps in the monasteries on the banks of Manasarover. May I know whether that revenue is still being used for that purpose?

Shri Jawaharlal Nehru: Since no revenues have been collected, they can hardly be used for any purpose.

Shri Balraj Madhok: According to the 1842 treaty between the Jammu and Kashmir State and Tibet, the revenue from this village was taken by the Kashmir Government for being used for that purpose. That was what I wanted to state. The hon. Prime Minister perhaps does not know it.

Mr. Speaker: The hon. Member is giving information.

Shri Inder J. Malhotra: May I know whether the Jammu and Kashmir Government have been asked to collect more documentary evidence like old revenue records and so on regarding this particular village?

Shri Jawaharlal Nehru: All the documentary evidence that has been available to us in Jammu and Kashmir and elsewhere has been thoroughly examined in the last year or so. The Jammu and Kashmir Government have been co-operating with us in this matter. There is no question of asking them.

श्री खुशवक्त राय: क्या मैं जान सकता हूं कि स ाम पर चीनियों का कब से कब्जा हो गया था?

श्री जवाहरलाल नेहरू: यह कहना मुश्किल है कि किस तारीख से उनका कब्जा हुआ, लेकिन जैसा कि मैंने आपसे कहा, सन् १९५० के बाद जम्मू काश्मीर गवर्नमेंट ने वहां अपना कोई अफसर मालगुजारी जमा करने नहीं भेजा। उसके बाद जाब्ते से कब कब्जा आ, किस तारीख से हुआ, किस ग से आ, यह कहना मुश्किल है।

Shri Vajpayee: In view of the fact that Dr. Ram Manohar Lohia has made it clear that he has certain specific written documents to support the stand that this village belongs to India, may I know whether the hon. Prime Minister would consider the desirability of requesting Dr. Lohia to hand over these documents to Government?

Shri Jawaharlal Nehru: Certainly we will be very happy to have any additional material which he may possess. Perhaps hon. Members themselves would help us to get them from him. But if hon. Members will refer to the printed books on this subject, they will find that the important documents are given there. It may be that he may have the same documents. There is no doubt about that particular fact that this village was ours. Whether it was in the nature of, as sometimes happens, zamindari or other rights, legal rights, one does not know. But a certain revenue, a sum of Rs. 250, went to the Jammu and Kashmir Government.